UP Board Solutions for Class 7 Hindi Chapter 31 सुब्रह्मण्यम् भारती (महान व्यक्तित्व)

अभ्यास-प्रश्न

प्रश्न 1:
सुब्रह्मण्यम् भारती ने देश के विकास के लिए किन बातों को आवश्यक माना है?
उत्तर:
भारती देश के विकास के लिए आपसी मेल-जोल की भावना, मानवतावादी दृष्टिकोण, साम्प्रदायिकता और भेदभाव का त्याग, एकता और समानता पर टिकी देश की स्वाधीनता, संगठन और सहयोग, राष्ट्रीय भाषा हिन्दी को बढ़ावा देना आदि आवश्यक मानते थे।

प्रश्न 2:
सुब्रह्मण्यम् भारती किस प्रकार राष्ट्रीय एकता स्थापित करना चाहते थे?
उत्तर:
सुब्रह्मण्यम् समानता और सद्भावना पर टिकी राष्ट्रीय एकता स्थापित करना चाहते थे। उनका दृष्टिकोण मानवतावादी था।

प्रश्न 3:
नीचे लिखे वाक्यों के सम्मुख अंकित शब्दों में से सही शब्द छाँटकर वाक्य पूरा कीजिए (पूरा करके)
(क) सुब्रह्मण्यम् को 'भारती' की उपाधि **से बचपन** में विभूषित किया गया। (वृद्धावस्था, **बचपन**, युवावस्था, मरणोपरांत)
(ख) 'भारती' ने हिन्दी, संस्कृत की शिक्षा **वाराणसी में** प्राप्त की थी। (मद्रास में, तिरुवेलवेली में, **वाराणसी में**)
(ग) "भारती' की बहन का नाम **भागीरथी** था। (**भागीरथी**, सावित्री, चेल्लम्मा)

प्रश्न 4:
'भारती' को किस बात का विशेष शौक था?
उत्तर:
'भारती' प्राचीन साहित्य के बड़े पारखी थे। उनको विभिन्न भाषाओं के प्राचीन साहित्य को संकलित करने का शौक था।

प्रश्न 5:
'भारती' के जीवन की किन्हीं 5 विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. भारती का दृष्टिकोण मानवतावादी था। वे समाज की उन्नति के लिए आपसी मेलजोल जरूरी समझते थे।
2. भारती राष्ट्रीयता के पोषक थे।
3. वे शान्ति और अहिंसा के पुजारी थे।
4. भारती स्वभाव से दानी थे।
5. वे बच्चों से विशेष प्यार करते थे।

https://www.evidyarthi.in/